

श्री एत० एस० शौलम्,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन ।

सेवा में,

प्रेसरी,
प्रेसदूत बोर्ड अफ लेफ्ट कर्नी एजेंसी,
2/19, हृष्ट रिहाई अड्डाम् रोड,
दिल्ली नगर, जह विलासी ।

भिक्षा ॥ १२। अनुभव

समयः दिनांक १० अक्टूबर, 1985.

विषयः— आपसित प्राप्ति-पत्र ।

महोदय,

मुझे यह उल्लेख का विकेश हुआ है कि विलासी परिवार समूह, भारतीयावाद को प्रेसदूत बोर्ड अफ लेफ्ट कर्नी एजेंसी, जह विलासी के सम्बन्ध होने में इस राज्य सरकार जो विस्तारित रूपों के अलीब आपसित व होनी :-

१। राज्यान्वय प्रतिवरद्ध

- १- विद्यालय के प्रबन्ध समिति में शिक्षा विकास द्वारा आमित एवं सकारय होना ।
- २- विद्यालय में कम से कम १० प्रतिशत स्थान प्रिलड़े एवं विद्युत वर्षे आप के द्वय वित्तयों के बच्चों/पात्रों के लिए कुराइल रहेंगे तथा वह उल्लेख वही शिक्षण शुल्क लिया जायेगा जो राज्यपाल शिक्षा परिषद, ३०५०, इताहावाद /विदिक शिक्षा परिषद द्वारा साम्यता प्राप्त विद्यालयों की वित्तिल व्यापारों के लिए विद्यारित है ।
- ३- छात्रान् मही की प्रधा समाज की वाय उक्ता विधि आवश्यक हो तो आपान् मही रोबलेश्वर वर पर लिया जाय ।
- ४- उच्च शुल्कों की दरों में जी की की जाकीजो वर्तमान दरों के ५० प्रतिशत से अधिक ज्ञान होना ।
- ५- संसद को राज्य सरकार द्वारा जोहे अनुसार वही विद्या जायेगा ।
- ६- संसद की उनी उद्योगपत्र/ उद्यापिकायें प्रविधित होंगी। संसद के लिया तथा शिक्षणपाल कर्मवारियों को राजनीय शिक्षा संसदानों के कर्मवारियों की अनुग्रह्य घोषणावालों तथा उच्च ग्रन्ति के कम प्रेतमात्र एवं उच्च ग्रन्ति वहीं विद्ये जाएंगी ।
- ७- राज्य सरकार उक्ता शिक्षे विद्याव द्वारा जो जी जायेगा विवेत किये जायेंगे उक्ता पात्रान् संसद के लिए उद्योगार्थी होना ।
- ८- विद्यालय में अनुसार तथा शिक्षा का उत्तर उच्च फोटो फॉटो उक्ता जायेगा ।

(1)

-2-

१४१ निवेदन प्रतिवर्त

- १- शिवालय की प्रवर्तन समिति एवं इनस्टीट्यूशन की ओर से उपलब्ध समय पर नियमानुसार
उन्हें विवीकीयता की अरावा बांधेया।
- २- निवेदन में प्रदेश सभा एवं जगतान के लिए अधिक अवधि तक एवं इस समाज-सभा , जो
केवल नियम-की भवा द्वारा प्रसारणित-की गई अधिकारता की बांधेयी।
- ३- निवारियों की देवा- की अवारी बार्य भवा उन्हें अवधीय तो निवारियों
के निवारियों को अनुकूल देवा-नियमित आवासीय फरार्ये बांधेयी।
- ४- निवेदन ओ नेता- वीक्षा निवारिय प्रवर्त्ती/वीक्षणार्य में रखा बांधेया।
- ५- ज्ञ शर्मा को एक नियमित समय के लिये दूरा के उपर दाता नियम जाता
देवा और नियमी भी समय उपर शर्मा ने ज्ञ शर्मी की ओर से उन्हें ओर
एवं राज्य उपर दाता प्रवर्त्ती नायिता- ज्ञान एवं दाता के नियार्यों बांधेया।
अमावस्या,

नियमित
ज्ञ शर्मा
बांधेया।

क्रमांक 5609111/15-12-85-10141/85

प्रतिविधि नियमानुसार ओ दृष्टार्थीकृति :-

१- नियम निवेदन, ज्ञान, नियमानुसार।

२- नियम निवेदन, नेता।

३- नियमानुसार नियम, ज्ञान।

४- नियमानुसार, नायिता नायिता, ज्ञान।

५- प्रवर्त्ती, नियमी दिनांक रुप, नायिता।

अवधि है,

१९८० चूप बौद्धना
बांधेया।